क्रमांक 3432 /आरटीआई /23

भोपाल, दिनांक – 04/09/2023

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 6 (1) के अंतर्गत प्रथम आवेदन पत्र

1. **आवेदक का नाम** :– डॉ. सुभाष सी. पाण्डेय
2. **पूरा पता ई–मेल/फैक्स/ जिस पर जानकारी प्रेषित करनी है** :– एच आई जी 1/8,शिवानी कॉम्प्लेक्स , 6 नंबर बस स्टॉप , भोपाल – 462016; मध्यप्रदेश

   ई–मेल :– drsubhashcpandey@gmail.com ; 3. दूरभाष क्रं. :– मो . 09826713114
4. **आवेदन देने का दिनांक** :– 04/09/2023
5. **कार्यालय का नाम** :–लोक सूचना अधिकारी, वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, देहरादून (CPIO, WII, Dhn)
6. **चाही गई जानकारी का विवरण** :–

दैनिक भास्कर की, भारत सरकार के दो प्रमुख संस्थानों वाइल्डलाईफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, देहरादून ((संक्षेप में डब्ल्यूआईआई,देहरादून) एवं स्कूल ऑफ प्लानिंग ऐंड आर्किटेक्चर, भोपाल (संक्षेप में एसपीए, भोपाल) - के साथ मिलकर सामूहिक रूप से सम्पन्न की गयी रिसर्च जिसे दैनिक भास्कर, भोपाल द्वारा दिनांक 13 अगस्त 2023 को मुख्य पृष्ठ पर (इन संस्थानों के "लोगो" सहित) विस्तृत रूप से प्रचारित एवं प्रकाशित किया गया। उक्त प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के प्रथम पृष्ठ का अवलोकन करना चाहें **(संलग्न प्रपत्र 01) I**

उक्त मीडिया रिपोर्ट में विषयांतर्गत प्रकाशित तथ्यों के बाबत निम्न जानकारियां प्रदान करें :

1) दैनिक भास्कर की, एस पी ए, भोपाल एवं डब्ल्यूआईआई, देहरादून के साथ मिलकर उक्त महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील शोध कार्य करने संबंधी अनुबंध / सहमति पत्र की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करें।

2) उक्त शोध कार्य हेतु डब्ल्यूआईआई, देहरादून की ओर से 01 एक्सपर्ट (डॉ. गौतम तालुकदार) को मीडिया के साथ भोपाल की आबोहवा, स्थानीय हवा, ग्रीनरी, बायोडाइवर्सिटी, जल, जंगल और ईकानामी पर मिलकर काम करने की अनुमति प्रदान करने विषयक संस्थान द्वारा जारी किए गए दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियों प्रदान करें।

3) उक्त कार्य हेतु डब्ल्यूआईआई, देहरादून के एक्सपर्ट डॉ. गौतम तालुकदार को संस्थान एवं मीडिया द्वारा प्रदान की गई समस्त सुविधाओं अवकाश,पारिश्रमिक एवं मानदेय बावत जारी दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियों प्रदान करें ।

4) उक्त विषयांतर्गत एसपीए , भोपाल एवं डब्ल्यूआइआइ, देहरादून के द्वारा दैनिक भास्कर के साथ सामूहिक रूप से शोध कार्य करने की विस्तृत रूप से प्रकाशित रिपोर्ट में ही दैनिक भास्कर द्वारा, दोनों केंद्रीय संस्थानों के "लोगो" का भी इस्तेमाल किया गया है। अतः डब्ल्यूआईआई, देहरादून द्वारा शोध पत्र/ शोध कार्य करने के अतिरिक्त इसके प्रकाशन एवं मीडिया रिपोर्ट में डब्ल्यूआईआई, देहरादून का लोगो (logo) इस्तेमाल करने अनुमति प्रदान करने संबंधी स्वीकृति /आदेश पत्र की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करें।

1324
11-09-2023

सुश्री अपर्णा

WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA
Right to Information Act, 2005
Apl. No. 62 Qtr. 2 Year 2023-24
Fee 10 Inward Date 11.9.23

5) किसी निजी संस्थान / व्यक्ति द्वारा डब्ल्यूआईआई का "लोगो" इस्तेमाल अथवा दुरुपयोग करने संबंधी निर्धारित नियम, निर्देश एवं दिशा निर्देश बताने वाले भारत शासन, मंत्रालय अथवा डब्ल्यूआईआई, मुख्यालय द्वारा जारी अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करें।

6) विषयांतर्गत डब्ल्यूआईआई, देहरादून द्वारा अथवा समस्त अनुबंधकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से इस बावत किए गए शोध कार्यों / शोध निष्कर्षों/ शोध प्रविधियों/ प्रपत्रों की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करें।

7) दैनिक भास्कर, भोपाल के मुख्य पृष्ठ पर डब्ल्यूआईआई, देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गौतम तालुकदार के (मय प्रकाशित फोटो) द्वारा उपरोक्त विषयांतर्गत सामूहिक रूप से अथवा अलग - अलग प्रस्तुत शोध कार्यों/ तथ्यों की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करें।

8) उक्त विषयांतर्गत दैनिक भास्कर के मुख्य पृष्ठ पर प्रकाशित विषयों/ तथ्यों को प्रस्तुत करने वाले कार्यों/ निष्कर्ष/ तथ्यों की वैज्ञानिकता को प्रमाणित करने वाले संदर्भ ग्रंथों , शोधग्रंथों, सहायक शोध ग्रंथों, डॉक्यूमेंटस (reference books/ articles) की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करें।

उपरोक्त वांक्षित जानकारियाँ व्यक्तिगत न होकर शासकीय दस्तावेज हैं और नियमानुसार उन्हे आवेदक को प्रदान किया जाना आज्ञापित है । कृपया अवांछित, असंबद्ध और गुमराह करने वाली जानकारियां प्रदान न करें। केवल सटीक जानकारियां ही प्रेषित की जाएं।

7. आवेदक के साथ अदा किये जाने वाले प्रोसेस फी – रूपये 10/– भा.पो आ क्रं.61F 186434
8.. क्या आवेदक गरीबी रेखा के नीचे है अथवा नहीं :– नहीं

संलग्न प्रपत्र : ऊपरोक्त अनुसार (01)

हस्ताक्षर

Subhash Pandey

(डॉ. सुभाष सी. पाण्डेय)

आवेदक

WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA
Right to Information Act, 2005
Apl. No. 62 Qtr. 2 Year 2023-24
Fee 10 Inward Date 11.9.23

सहपत्र क्र.- 01

7 दशकों से आपका साथ... इसी ताकत और विश्वास के साथ करते रहेंगे सच्ची बात बेधड़क...

67वें वर्ष में प्रवेश

दैनिक भास्कर

भोपाल

dainikbhaskar.com

दैनिक भास्कर की 2 इंस्टीट्यूट्स के साथ रिसर्च... भोपाल में 66% हिस्सा प्रकृति को समर्पित, वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, वन विहार, बड़ा तालाब... एक साथ सिर्फ हमारे पास

हमें प्रकृति का आशीर्वाद...

आयुष्मान भोपाल

सुकून और सेहत के हिसाब से सबसे अच्छा शहर, यहां अन्य बड़े शहरों के मुकाबले 3.5 साल लंबी उम्र की 'गारंटी'

यह भोपाल का 'अघोषित' टाइगर रिजर्व

भोपाल...

जंगल • यहां शहर में बाघ, इसलिए आया अर्बन टाइगर प्रोजेक्ट

शहर में नेशनल पार्क और 14 सिटी फॉरेस्ट, यहां मानक से डेढ़ गुना अधिक हरियाली है

जल • प्यास और पर्यटन दोनों की लाइफलाइन है तालाब

14 बड़ी वाटर बॉडीज... किसी शहर में इतनी नहीं, पानी ऐसा कि यहां 103 तरह के दुर्लभ पौधे

बायो डायवर्सिटी • बारहसिंगा जैसे शेड्यूल-1 के वन्यप्राणी

22 अर्बन टाइगर वाला दुनिया का अकेला शहर

हवा • 4 साल में 18% साफ हुई, जयपुर-अहमदाबाद से अच्छी

यहां चंडीगढ़-दिल्ली से 3.5 साल ज्यादा उम्र

इकोनॉमी • आम धारणा के विपरीत सर्विस सेक्टर में कई शहरों को टक्कर दे रहे हम, जीडीपी 300% बढ़ी

जो यहां आया, यहीं बस गया... बड़ी इंडस्ट्री नहीं, पर सर्विस सेक्टर में 65% रोजगार देते हैं हम, यह देश के औसत से 11.21% अधिक

भोपाल

निजी क्षेत्र की पसंदीदा जगह

• शोध से समझें

शरीर को स्वस्थ, दिमाग को तेज करती है प्रकृति